अपर्याप्त सुविधाओं के कारण खाद्यान्न के उत्पादन में बाधा पड़ती है। अल्प तथा मध्यम-कालीन ऋण भी उपलब्ध नहीं हैं। रिज़र्व बैंक कृषकों की ऋण की आवश्यकताओं ठीक तरह नहीं समझती है। पर्याप्त मात्रा में तथा उचित दामों पर कृषकों के लिये उर्वरकों की व्यवस्था होनी चाहिये। हमारे देश में उर्वरकों की 40 प्रतिशत कमी है। उनको देश में ही पैदा करने की बजाय हम आयात करने के लिये प्रयत्न कर रहे हैं। इसलिये सरकारी क्षेत्र में उर्वरकों के उत्पादन के लिये एक बहुत बड़ा उपक्रम स्थापित करने की आवश्यकता है।

नागा प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत के बारे में वक्तव्य

STATEMENT RE: TALKS WITH NAGA DELEGATION

श्री हरि विष्णु कामत (होशंगाबाद) : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। ध्यान दिलाने वाली सूचनायों की इस सभा की एक पुरानी परम्परा रही है। परन्तु संबंधित मंत्री अपनी ओर से ही वक्तव्य दे कर हमारे उस अधिकार को छीन लेते हैं। यह बहुत ही अनुचित है।

उपाध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री ने कहा कि वह वक्तव्य देंगी। अध्यक्ष महोदय ने उसकी अनुमति दे दी। अब वह वक्तव्य दे रही हैं।

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : नियम 197 के अन्तर्गत हमें अविलम्बनीय लोकमहत्व के विषयों की ओर ध्यान दिलाने का अधिकार है।

उपाध्यक्ष महोदय : मेरे पास नाम हैं। मैं प्रत्येक को अवसर दूंगा।

प्रधान मंत्री तथा अणुशक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : नागाओं के एक प्रतिनिधि मंडल से, जिसके साथ शांतिमिशन के तीन सदस्य भी थे, 18 और 19 फरवरी, 1966 को मेरी भेंट हुई थी। उस भेंट में इस बात पर सहमति प्रकट की गई कि दोनों पक्ष प्रेक्षकों की उपपत्तियों पर ठोस और शीघ्र कार्यवाही करेंगे। अच्छा वातावरण पैदा करने के लिये शांति मिशन ने सुझाव दिया है कि नागा बन्दियों को रिहा किया जाये। इस मामले की जांच की जा रही है। मुझे विश्वास है कि इस भेंट के परिणामस्वरूप, दोनों ओर जो अविश्वास और सन्देह पैदा हो गया है उस में काफी कमी होगी।

दस अप्रैल, 1966 में एक और बठक के लिये भी राज़ी हो गये हैं। संभव है अगली बैठक में कोई ऐसी बात तय हो जाये जिससे सारी खूनखराबी का अन्त हो जाये और सारे नागालड में शांति हो जाये।

Shri Prakash Vir Shastri (Bijnor): After meeting with the Prime Minister the leader of the Nagas emphatically declared that their decision to have a separate independent Naga State was final and that there would be no change in that. In view of this what is the use of having talks with them and inviting Reverend Scott and treating the Nagaland Delegation as the Delegation of a foreign Country?

Shrimati Indira Gandhi : Reverend Scott is the member of the Peace Mission and it had been decided in the very beginning that the Peace Mission would accompany Naga leaders. Therefore, he was present.

As regards the statement given by Shri Swell ; you know that this has been the demand of the Nagas from the very beginning: But we have never acceded to this demand of theirs. The idea of meeting is to come closer and make them understand our point of view.

Shri D. D. Mantri (Bhir): From the demand of the Nagas it appears that they are asking for a privilege. What is the reaction of the Government to it ?

Shrimati Indira Gandhi : In the first two rounds of talks no special demands were put. Now they demanded for the appointment of two more observers. Two persons each are being nominated from both the sides. Their second demand was about the release of Naga prisoners which we are considering.

श्री हेम बरुआ (गोहाटी) : नागालैंड संघ सरकार के विदेश मंत्री ने कहा है कि नागा लोग स्वतन्त्रता के अतिरिक्त और किसी बात से संतुष्ट नहीं होंगे । क्या हमारे प्रधान मंत्री ने उनको बता दिया है कि भारत के संविधान के बाहर नागा समस्या का कोई हल नहीं हो सकता है ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : ऐसी कोई मांग नही की गई थी । नागालैंड के बारे में हमारी नीति में कोई परिवर्तन नहीं आया है ।

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : क्या अगली बैठक में केवल छिपे हुए नागाओं के नेताओं को ही बुलाया जायेगा और शांति मिशन को नही बुलाया जायेगा ? दूसरे क्या नागा नेताओं को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि उनका पाकिस्तान से शस्त्र के लिये बातचीत करना प्रधान मंत्री से उनकी बैठक के आशय के प्रतिकूल है ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : अगली बैठक में कौन कौन उपस्थित होगा, यह अभी निश्चित नहीं किया गया है । जहां तक अन्य देशों से उनके संपर्क का संबंध है, इस बारे में उन्हें कई बार संदेश भेजे गये हैं ।

श्री हरि विष्णु कामत : समाचारपत्रों में प्रधान मंत्री के साथ नागा नेताओं की भेंट को भारत के प्रधान मंत्री, नागा लैंड की संघ सरकार और शांति मिशन के बीच बातचीत के रूप में दिया गया है । क्या सरकार इस स्थिति को स्वीकार करती है ? क्या आसाम के प्रधान मंत्री के लिये बाकी नागाओं के नेताओं के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित होना उचित है ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : वह वहां पर शांति मिशन के सदस्य के रूप में उपस्थित थे । प्रश्न के पहले भाग का उत्तर यह है कि सरकार इस स्थिति को स्वीकार नहीं करती ।

श्री हरि विष्णु कामत : फिर क्या स्थिति है ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : समाचारपत्र उसको क्या रूप देते हैं, इसके लिये हम जिम्मेदार नही हैं ।

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : क्या विद्रोही नागा नेता तथा श्री माइकेल स्कॉट को अब भी श्री फिजो से प्रेरणा मिल रही है, और यदि हां, तो क्या वह इस त्रिकोण को तोड़ पाई हैं ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : श्री फिजो के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था ।

Shri Yashpal Singh : What are the issues which still remain to be decided in the further meetings ?

Shrimati Indira Gandhi : The main object is to have peace there.

Shri Madhu Limaye (Monghyr) : The Naga rebel leader has statcd that if their demand is not accepted they will march towards unknown destiny. When asked to explain unknown destiny, he replied that the repurcussions would be very bad and that they might also be forced to seek the assistance of foreign countries to achieve their objective. Do Government propose to hold direct talks with the underground Nagas and ask Michael Scott like agents of foreign powers to leave India?

Shrimati Indira Gandhi : It is evident that had there been direct talks it would have been much better. But there are certain things from which it is difficult to back immediately.

श्री प्र० चं० बरुआ (शिव सागर) : क्या हमें यह आश्वासन मिल सकता है कि ऐसी कोई बात नहीं की जायेगी जिससे कि राष्ट्रवादि नागाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचे ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : इन सब सुझाओं पर विचार किया जायेगा ।

श्री जसवन्त मेहता : उन नागाओं के प्रति सरकार का क्या रवैया होगा जो विद्रोह की कार्यवाहियां जारी रखते हैं ?

श्रीमती इंदिरा गांधी: स्वभावतः उनको दण्ड दिया जायेगा ।

Shri Ram Sewak Yadav : May I know whether the Hon. Prime Minister has come to the conclusion that this problem can be solved within the framework of the Constitution ?

Shrimati Indira Gandhi : Efforts are being made for that very thing.

सभा-पटल पर रखे गए पत्रों के बारे में

RE : PAPERS LAID ON THE TABLE

श्री हरि विष्णु कामत (होशंगाबावद) : कार्य सुची की मद 4 को भी नहीं लिया गया था ।

उपाध्यक्ष महोदय : : क्या श्री राजबहादुर को कोई वक्तव्य देना है ?

श्री राज बहादुर : जी नहीं । आशा है कि चंदा समिति का मुख्य प्रतिवेदन मार्च के अन्त तक प्राप्त हो जायेगा और उसे यथाशीघ्र सभा-पटल पर रख दिया जायेगा ।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्ताव—जारी

MOTION ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*Contd.*

Shri J. P. Jyotishi (Sagar) : Mr. Deputy Speaker, Sir, I support the Motion of thanks moved by my friend Shri Deshmukh. The President in the beginning of his speech has expressed his condolence on the sad demise of Shastriji. Shastriji was an embodiment of sincerity, humility and simplicity. He exhibited unforgettable strength and firmness during the emergency. It is really tragic that after signing the Tashkent Declaration he was snatched away from us by the cruel hands of fate. All political parties can never be satisfied by an agreement. Politics is a game of agreements.